

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (त्रियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01248985

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Anshu Sharma

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

(31.08.24)

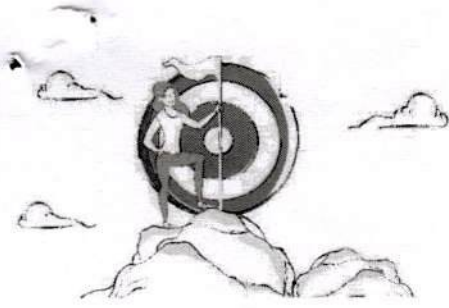
निबंध ESSAY

केंद्र

Centre 012
Ghaziabad

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

Q3. We've begun to raise our daughters more like our sons, but few have courage to raise our sons more like our daughters.

In a quaint distant hamlet nestled deep within the forest, lives a small family of four. The parents and their two children Psheli and Beejho, both around the same age. But this family is special. Unlike other conservative households, Psheli's parents have ensured she attends school just like her brother Beejho.

They've left no stone unturned to ensure that Peheli gets the same opportunities as her brother. But everyday after school, as Beejho takes his afternoon nap, Peheli helps her mother with all household chores. She serves her brother food before she eats herself. All of this is internalised as the way of life in the household.

The story of this home is the story of numerous households in India. We've begun to raise our daughters more like sons but few have the courage to raise their sons more like our daughters.

In this essay we will explore the contrasting upbringing of girls and boys, how we are now raising our daughters like our sons, what has led to this change, what happens when sons are not raised like daughters, what are the

reasons behind such half baked social progress and finally how can we correct this anomaly.

Upbringing of children: Two contrasting Tales

In India family is the most significant social institution. It is said that "mother is the first teacher and home is the first school". Therefore how we raise our children has a lasting impact on their attitude & personality in the future.

Interestingly upbringing is gendered in our society. The parenting style depends on the gender of the child. Girls are raised to be quiet, timid & obedient. Boys are raised to be loud, assertive & dominant.

Girls are socialised to like pink, boys are encouraged to love the colour blue. Girls are nurtured to be emotional and care finers. Boys are raised to be stoic and ~~best~~ bread winners. When girls cry

they are consoled, when boys shed tears they are told that men don't cry. Girls are conditioned to choose pink collared jobs like teachers, nurses etc while boys go for premium white collared jobs.

Girls like paheli are expected to do housework, while boys like Bajiho are given a clean shirt in this department. Such a gendered approach to upbringing of children is due to the deep seated patriarchy in our society. It enforces stereotypes and pigeonholes girls and boys into typecast roles. In the end both suffer. Girls are burdened by limitations and boys by expectation.

A welcome change in tide

Thankfully of late we as society have begun to break the shackles of patriarchy and are embracing a more progressive outlook. Girls are being liberated from

sexist gendered expectations and are spreading their wings to scale new heights.

Girls are now emerging as leaders not just as submissive followers. Great political leaders like Jacinda Ardern (former PM New Zealand) and Angela Merkel (former PM Germany) have shown how female leadership can enable achievement of national goals and manage crises.

In the field of business too girls are now making a mark. Successful entrepreneurs like Indra Nooyi (former Pepsi CEO) and Phalguni Nayak (founder NYKAA) have broken corporate glass ceilings. They have shown that business sense is not the monopoly of ~~the~~ boys alone.

Women are now being accepted in traditionally male dominated fields like military as well. From Laxmi Sehgal of the Indian National Army to

Gunjan Saxena (IAF pilot). ~~Girls~~ Women make up nearly 12% of all military personnel in India. Girls like Psheli, today can fulfil their dreams to serve their country just like their brothers.

Another hitherto reserved domain for men was sports. As girls were expected to be quiet & reserved and non aggressive. Boxers like Vinesh Phogat have broken such stereotypes through her splendid performance at Paris Olympics.

Girls are also now able to pursue their scientific dreams. Nearly 43% of all STEM graduates are female.

Scientists like K. Kalpana (project Chandra yan-3) have shown that girls can do equally well in labs like their male counterparts.

There is a visible change in the quantum of opportunities now available for girls. But what has enabled this progressive change?

A plethora of government schemes & programmes have contributed to this behavioural change. Which ~~has~~ is being reflected in the upbringing of girls.

The Beti Bachao Beti Padhao scheme has been targeting the son bias to ensure saving & empowerment of girl child. Economic empowerment through schemes like Stand-up India and political empowerment via $\frac{1}{3}^{\text{rd}}$ reservation in local governments have played a major role in this regard.

Safeguards through Maternity Benefit Act and POSH Act have further emboldened parents to allow their girls to develop their fullest potential. The GoI's commitment to change is also reflected in gender budgeting. In the FY24 nearly 6.5% of budget outlays were earmarked for gender related programmes.

A Battle Half Won

Though the progress in allowing girls like Pahlvi to live life as their brothers Bajiho is undeniable. But sadly it only conveys half the story.

In a recent block buster Rocky & Rani, the female lead is portrayed as an educated, liberal and empowered woman. But at the same time the male lead Rocky is portrayed to be raised in a conservative household. And his expectations initially from his partner are reflective of his patriarchal upbringing.

The case of Rocky is representative of a larger social problem. In India still we raise our sons to be macho & strong, not sensitive like our daughters. Boys are brought up in a way which ingrains in them a desire to be protectors and primary income earners. They are led to believe they are the stronger gender.

They are socialised into not doing housework. Studies by NSS highlight women do 10 times more care work than males. This creates twofold problems both for girls and boys.

Girls are overburdened with housework and professional work. Girls are used as means by boys, violating the Kantian 'idea of formula of ends. Girls are sometimes seen as mere money, when families demand dowry and indulge in violent acts when demands are not met. Or they are seen as objects of lust, the menace of sexual violence, eve teasing, marital rape etc are all examples of this problem. This perception of girls is not only restricted to the privacy of homes but also at work.

This continues as society excuses the transgression of boys by saying "men will be men". But this creates problems for boys also. The pressure to be the

Strong sex negatively affects their mental health. In India nearly 14% people suffer from mental illnesses. Boys are also denied the opportunity to be emotionally vulnerable and share their pain.

This impairs their emotional intelligence which not only affects their well being but also their efficacy at work. WEF claims that EI is the most sought after quality at the work place. Low EI negatively affects their ability to bond with people, this increases social anxiety and affecting their ability to forge meaningful, fulfilling and lasting relationships.

But all is not gloomy. We've had some silver linings in the storm. Famous cricketer Virat Kohli skipped an important tournament and took a paternity leave.

He wanted to share the responsibility of raising his first born with his wife. This unconventional move by him reflects what it might look like ~~be~~ if we raise

our sons like our daughters. The ~~was~~ family will be happier and the world will be better.

उम्मीदवारों को इस-कागिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Panacea to the Problem

But how do we make such exceptions the norm in our society. The answer ~~is~~ lies in this dictum. "It is easier to build strong children than to fix broken men". We must re-evaluate our upbringing styles.

Adopting democratic parenting style and creating a bias free environment at home ~~is~~ is the first step. It will ensure parenting is not determined by sex of the child.

Children learn via observation. So parents must display ideal behaviours and be role models. Professor Claudia Feldin (winner 2023, Srigya Riksbank award) suggests couple equity. Wherein both partners share responsibilities equitably reducing the burden on one another. When children witness such behaviour from a

youngage they internalise it and they embody progressive values.

Thus far, ~~though the~~ we have seen how as a society we have begun to raise our daughters like our sons. We've opened up opportunities for them ~~and~~. But our progressiveness has been selective. As we continue to raise our sons in a gendered & patriarchal manner. This creates many problems for both the girls & boys and society at large. But through the right parenting we can correct this injustice.

As we progress onwards in the Amrit kaal with the dream of Viksit Bharat in our hearts. Let us pledge to create a society wherein gender does not restrain our children but rather empowers them. A society which proudly wears its "Veil of Ignorance" (J. Rawls) to raise its children in gender positive manner.

खण्ड - B / SECTION - B

उत्तीदवारों को इस कशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

Q5 It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

At the stroke of midnight hour on 14th August 1947. As the entire nation rejoiced, our freedom fighters and national leaders were deliberating hard on the future of the country. With abysmally low literacy (nearly 12%), rampant poverty, rising communalism and a broken economy with a GDP of only 2.72 Lcr, most

experts had warned that democracy would be the last nail in the coffin for India. Our leaders too were aware of the dangers of a premature transition to democracy.

But they were also aware of the ramifications of adopting an authoritarian regime. They did what no other nation in the world had ever done. Today the Indian democracy has further enriched and we have emerged as the fifth largest economy.

Thanks to the educated minds of our national leaders who entertained the idea of a non-democratic regime and went ahead to not accept it. Educated minds have this quality to engage with a plethora of thoughts and make an informed choice only after a thorough evaluation. The best

part is their ability to ^{entertain} ~~accept~~ all thoughts even if they do not align ^{with} their own thought process.

In this essay we will explore the qualities of an educated mind, what enables them to entertain diverse thoughts and make informed decisions, what happens when uneducated minds engage with thoughts and finally how can we enable development of educated minds.

Character Sketch: An educated mind

An intellectual mind harbours the value of tolerance. Helen Keller had once famously remarked that "highest purpose of education is tolerance". This tolerance enables educated beings to give due regard to all ideas, whether from nobility or common folk.

Emperor Akbar established a

A new religious order "Din-i-ilahi" and conducted regular sessions with clergy of different religious faith. He engaged in spirited philosophical discourses with them. But at the same time stayed true to his own religious beliefs.

An educated mind is also always open to new ideas. and does not perceive these ideas as challenges to one's own authority. In UK there is an idea of shadow cabinet run by the opposition party. The ruling party gives due regard to their thoughts and entertains them on the floor of the house. But at the same time hold their ground on key policy considerations. Agreeing to disagree frequently with the opposition.

An educated mind is not fearful. It is confident in its own capabilities and is not intimidated by the sea of thoughts which often surround it.

Coming back to the nascent democracy of India ~~can~~ post independence, our national leaders had some more tough choices to consider. There were 2 dominant modes of economy namely capitalism & communism. Each had its own merits & demerits.

But our leaders decided not to accept either fearlessly and charted their path by adopting socialism which embodied the best of both. A similar conundrum was also troubling us in our foreign policy.

Our leaders deliberated upon the thought of joining the blocs led by USA & USSR. But ultimately rejected them to dance to our own tune of NAM and being neutral throughout the cold war.

Sometime later we were again in a dilemma. During the 1971 war

India post its victory could have easily continued its military presence. Leaders like Field Marshall Sam Manekshaw were well aware of this thought and its strategic advantages.

Yet he advised the government to promptly withdraw and restore democracy in Bangladesh. The mark of an educated mind was to entertain this thought and not accept to uphold the value of justice and the greater good of the greater number.

An educated mind is also able to entertain thoughts but at the same time accept them only if it ensures its self interest. The developed countries have been pressurising developing countries like India to shoulder greater responsibilities for climate change mitigation. But India has instead turned the tables. By vouching for .

common but differentiated responsibility
and respective capabilities India has
not only exposed the historic responsibi-
lities of the developed world but has
also ensured climate equity.

Educated minds: A class apart

Therefore we have seen how
educated minds entertain thoughts
without accepting them. But ~~the~~ this
raises a even bigger question. How do they
do it?

Educated minds often have a very
strong moral compass and harbour
integrity of character. This allows them
to engage with diverse thoughts whilst
staying true to one's values. Abraham
Lincoln had once famously remarked
in this regard that,

"Put your feet in the right place and then
stand firm"

This is exactly what Socrates did. He entertained the idea of accepting his "mistake" but chose instead to drink hemlock and take his own life. In doing so he not only preserved his moral high ground but also ~~immortal~~ ^{became} immortal.

Additionally educated minds are highly rational beings. When presented with a thought they are able to objectively assess the ~~costs~~ associated costs & benefits both in the long run and in the short term. This allows them to make an informed choice. Recently Australia opted out of hosting the Commonwealth Games 2026. They entertained the idea that it would increase their stature as a sporting nation but decided against it due to the unviably fiscal costs.

finally educated minds ~~are~~ uphold principles of natural justice, namely audi alteram partem. This commands that one has a right to be heard. Therefore no matter how heinous the crime our justice delivery system ensures a free & fair trial for accused persons.

But at the same time true wisdom lies in not only not accepting a thought but also accepting it when the time is right. Intellectual humility of educated minds empowers them to admit their limitations and embrace change when need be. When our socialist economy dragged its feet with a hindu growth rate and we were confronted with a twin deficit crisis. We adopted LPG reforms accepting our limitations.

The Darkness Unleashed by an uneducated mind

It is important to note that of all the wonders that are possible with the openness of an educated mind, the closeness of an uneducated mind is highly dangerous.

An uneducated mind is a reservoir of ego, hubris & pride. This limits its capacity to even entertain a thought that does not align with its viewpoint. Let alone accept it or reject it. When Galileo presented his heliocentric worldview the orthodox summarily dismissed his ideas because they violated their religious beliefs.

World leaders around the globe pleaded with Hitler to stop the genocide of Jews. Mahatma Gandhi even wrote a letter. But he paid no heed to any advice as his mind was clouded with anti semitic dogma. His uneducated mind ultimately became the reason for his and country's downfall in the second

world wear.

Unleashing the power of education

Therefore we have seen the beacons of an educated mind and banes of ~~our~~ an uneducated mind. Making it clear that embarking on the path of education is the solution. This idea is also espoused in the vedic sankhya philosophy

We should develop our educational institutions as institutions of excellence inculcating not just subject knowledge but also moral education. The NEP 2020 addresses these aspirations effectively. Some ^{our} inspiration can also be drawn from rich past with esteemed institutions like Nalanda & Taxila university.

There is a famous Chinese proverb which says that if you want to prepare for a year then sow rice, if you want to prepare for a decade then plant a tree but if ~~you~~ ^{you} want to prepare for a lifetime educate people. Education will go a long

way in nurturing open minded and humble beings are able to engage with diverse ideas freely and make rational choices based on a thorough evaluation.

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Thus we have seen that tolerance and intellectual humility is at the heart of educated minds. It ensures personal & professional success. At the same time uneducated minds only bring in darkness & decay.

Going forth we must remember Voltaire's ~~love~~ immortal words that
"I do not like what you say, but I will defend to death your right to say it"

X ————— X

SPACE FOR ROUGH WORK

We've begun to raise our daughters more like sons but few have the courage to raise our sons more like d/o. (intro)

INTRO Beejho & Psheli

→ raising of son vs d/o. values opportunities

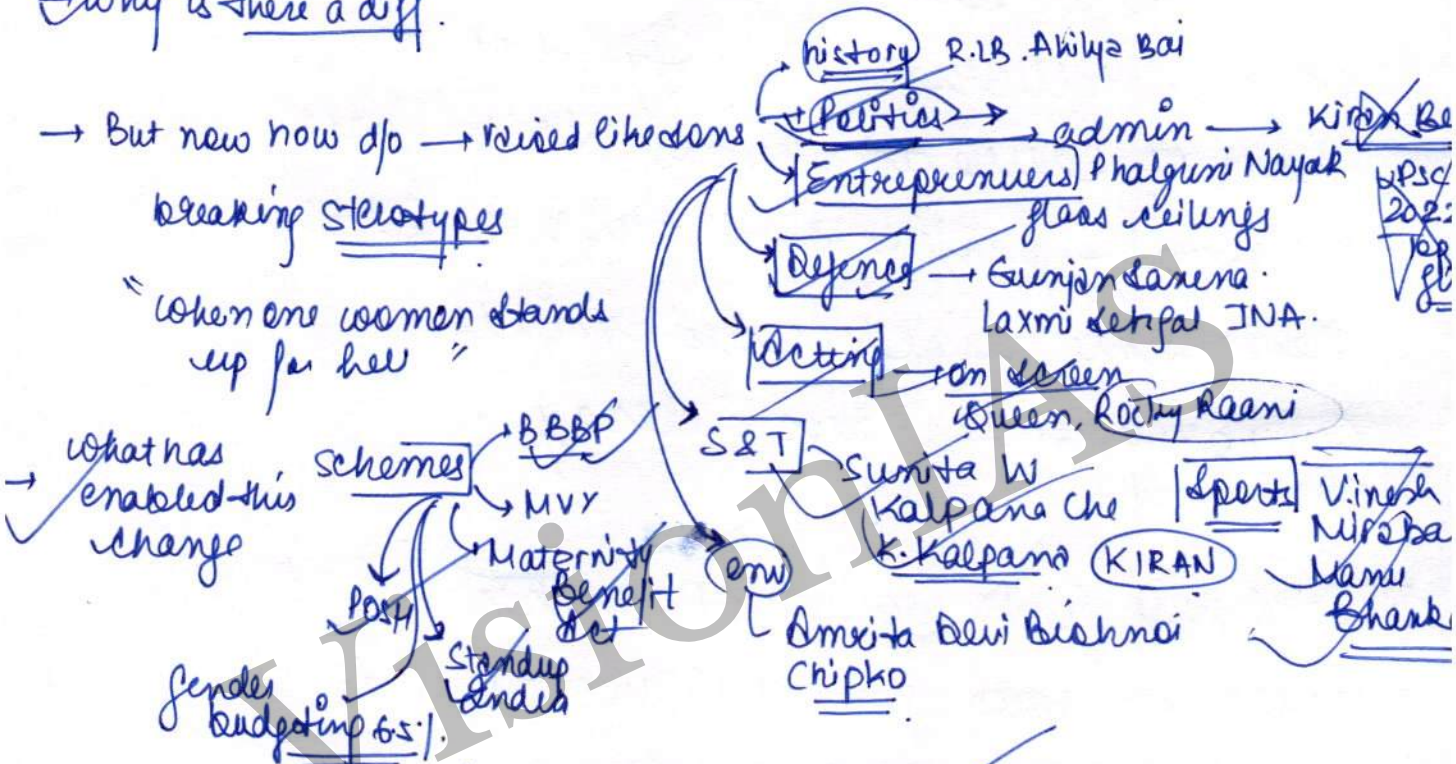
greatest battle you can fight → home
- S. Bhava

→ why is there a diff.

→ But now how d/o → raised like sons
breaking stereotypes

"when one woman stands up for her"

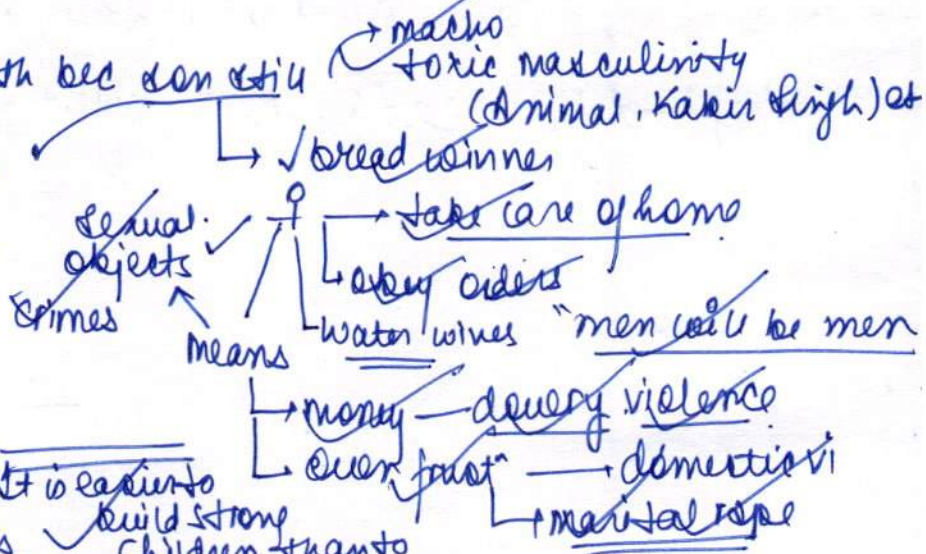
→ what has enabled this change



→ still half picture x trust bec son still

deep rooted patriarchy
social morality
backlash by soc

problems created for ♀
for ♂ also



→ how to solve this

- democratic parenting
- couple equity Claudia Goldin

It is easier to build strong children than to fix broken men
conclusion Vikesh Bharat
gender x restrain empow
children are brought up well

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

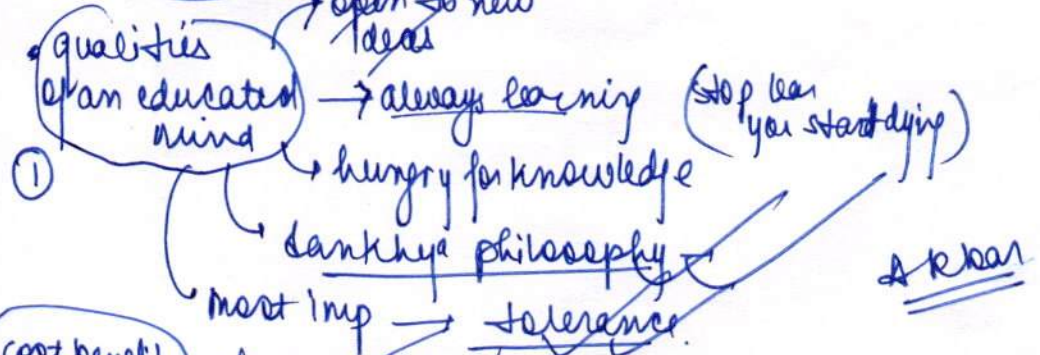
some positive
example

VK → paternity leave

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it

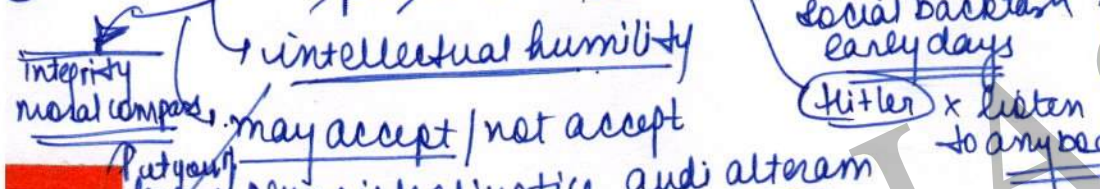
SPACE FOR ROUGH WORK

Intro Hemlock



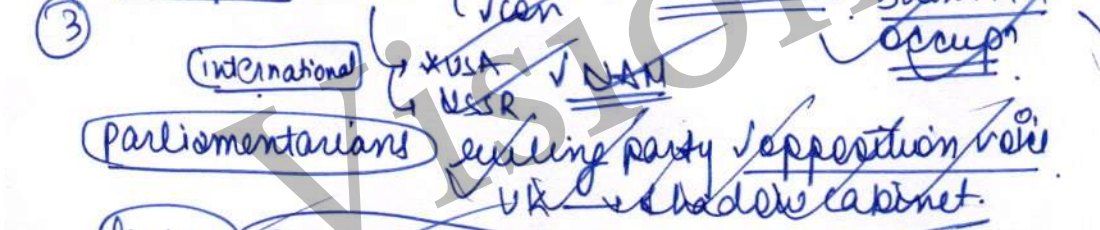
cost benefit analysis

② how do they entertain

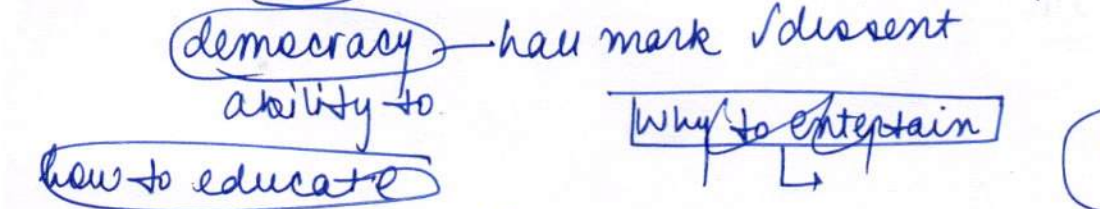


integrity moral compass

AL Put your feet on the ground. examples



Pol Eco social



I do not like what but I will defy to death you right to say it

eduⁿ inv nighe inter

highest goal of eduⁿ = tel

if you u di 14r di 104r + lifetime eduⁿ

⑤ uneducated x listen to id world → x IPR for vace de studio pushin

censorship

- ↳ protests
- ↳ memes book
- ↳ Padmanab
- ↳ sunni
- ↳ Anwar
- ↳ Skushak

weak - from fine to thoughts

- ↳ mental health
- ↳ suicides
- ↳ life is terrible
- ↳ mendacious
- ↳ ambiflow